भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण
(Language, Dialact, Script and Grammar)

भाषा

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए और बताइए–

माता जी क्या कर रही हैं?

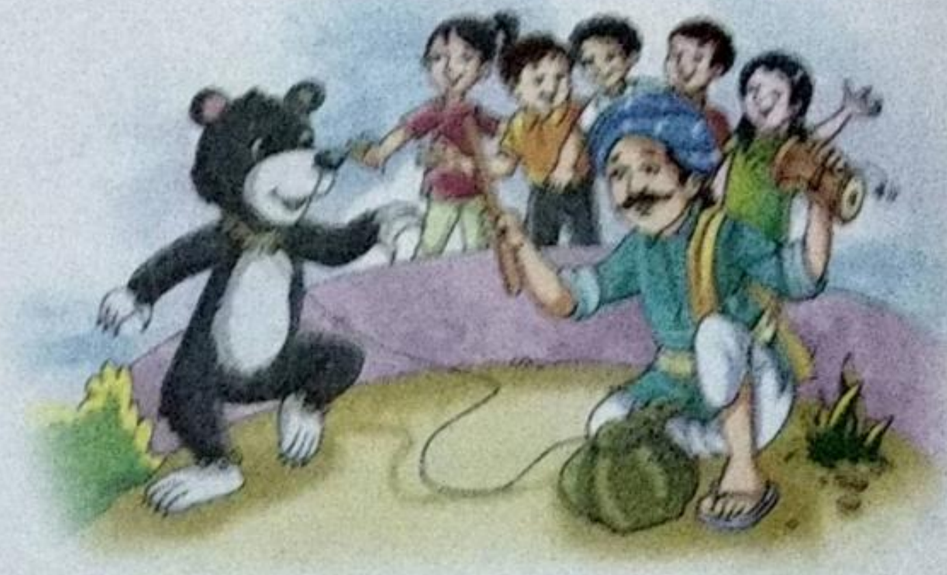

भालू क्या कर रहा है?

आप चित्रों को देखने के बाद बोलकर या लिखकर बताएँगे कि माता जी पूजा कर रही हैं और भालू नाच दिखा रहा है। इस प्रकार के अनेक विचार हमारे मन में आते रहते हैं, जिन्हें हम बोलकर या लिखकर एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं। विचारों के आदान-प्रदान करने के साधन को ही भाषा कहा जाता है।

मन के भावों और विचारों को एक-दूसरे के सामने प्रकट करने के साधन को भाषा कहा जाता है।

भाषा के प्रकार

भाषा मुख्यतः दो प्रकार की होती हैं–

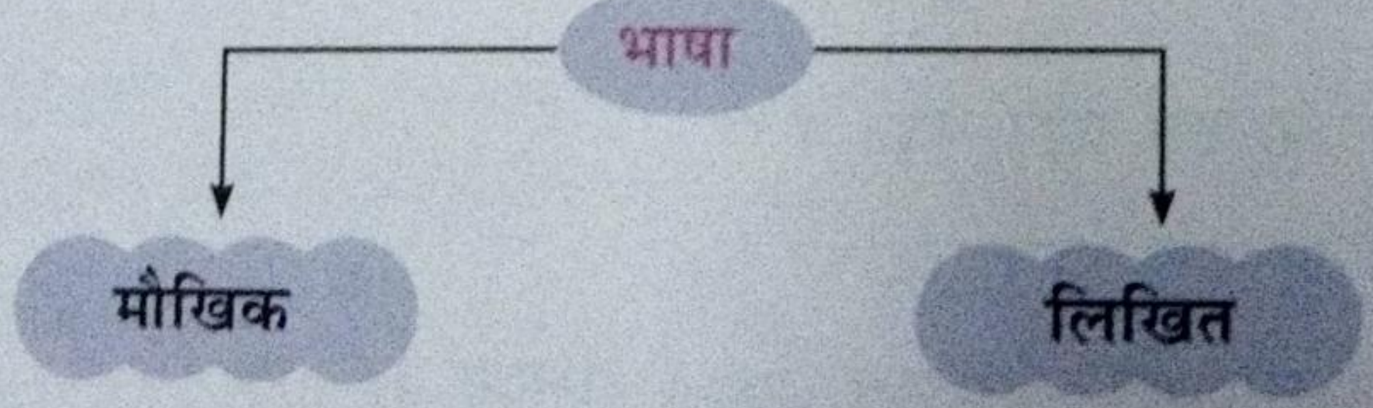

1. मौखिक भाषा– भाषा के जिस रूप से मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान बोलकर या सुनकर किया जाता है, वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

Scanned by TapScanner

2. लिखित भाषा– भाषा के जिस रूप से भावों और विचारों का आदान-प्रदान लिखकर या पढ़कर किया जाता है, वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

सांकेतिक भाषा

इन चित्रों को देखिए और समझिए–

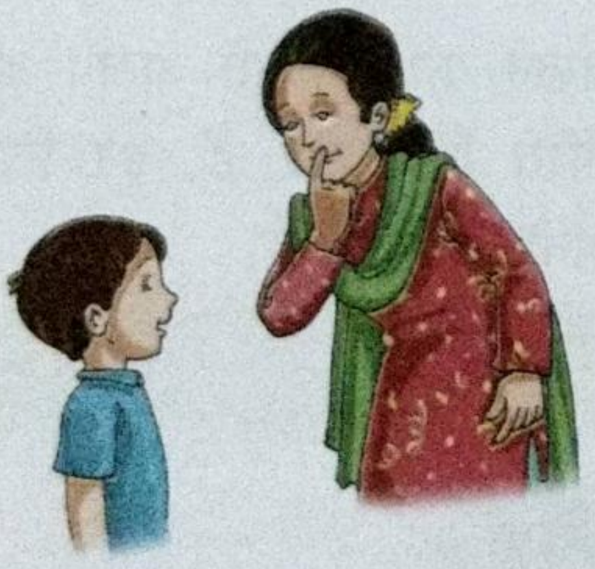

आप समझते हैं कि मुँह पर अँगुली रखने का अभिप्राय चुप रहने के लिए कहना है। इसी प्रकार रेलगाड़ी के गार्ड द्वारा हरी झंडी दिखाने से अभिप्राय चालक को रेलगाड़ी चलाने के लिए कहना है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि औरत तथा गार्ड द्वारा न तो मुख से कुछ बोलकर और न ही कुछ लिखकर कहा गया, अपितु संकेतों के माध्यम से अपने मन के भाव या विचार बच्चे और रेलगाड़ी के चालक (ड्राइवर) को समझा दिए गए। इस प्रकार की भाषा सांकेतिक भाषा कहलाती है। किंतु हम आपस में सभी भावों या विचारों को सांकेतिक भाषा द्वारा प्रकट नहीं कर सकते। इस प्रकार के संकेत तो केवल गिने-चुने ही हैं। इसलिए इसे भाषा का रूप नहीं माना जा सकता। अत: भाषा के केवल दो प्रकार (मौखिक और लिखित) ही माने जाते हैं। सांकेतिक भाषा केवल समझने के लिए है।

Scanned by TapScanner

बोली

किसी छोटे क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा के स्थानीय रूप को बोली कहा जाता है। बोली का प्रयोग केवल बोलचाल में ही किया जाता है। इसका कोई लिखित रूप या साहित्य नहीं होता। हमारे देश भारत के प्रत्येक राज्य में अलग-अलग बोलियाँ बोली जाती हैं। जैसे– हरियाणा में हरियाणवी, राजस्थान में राजस्थानी, बिहार में भोजपुरी, उत्तराखंड में गढ़वाली, कुमाऊँनी आदि।

किसी क्षेत्र विशेष में बोली जाने वाली मौखिक भाषा बोली कहलाती है।

लिपि

बच्चो! आपने पिछली कक्षाओं में पढ़ लिया था कि भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है। ये भाषाएँ निम्नलिखित हैं–

1. हिंदी	2. पंजाबी	3. उर्दू	4. डोगरी
5. कोंकणी	6. मराठी	7. गुजराती	8. उड़िया
9. असमिया	10. बांग्ला	11. कश्मीरी	12. मलयालम
13. कन्नड़	14. तेलुगु	15. बोड़ो	16. तमिल
17. संथाली	18. नेपाली	19. मैथिली	20. सिंधी
21. संस्कृत	22. मणिपुरी		

इसी प्रकार संसार की अनेक भाषाएँ हैं। सभी भाषाओं को लिखने का ढंग भी अलग-अलग है। सभी भाषाओं को लिखने के लिए अलग-अलग चिह्न निर्धारित किए गए हैं, इन चिह्नों को लिपि कहा जाता है। विश्व की सभी भाषाओं की अपनी-अपनी लिपियाँ हैं।

भाषा को लिखने के चिह्नों को लिपि कहते हैं।

प्रमुख भाषाएँ और उनकी लिपियाँ

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	उर्दू	फ़ारसी
संस्कृत	देवनागरी	अंग्रेजी	रोमन
मराठी	देवनागरी	पंजाबी	गुरुमुखी
नेपाली	देवनागरी	जर्मन	रोमन
कश्मीरी	देवनागरी	फ्रांसीसी	रोमन

Scanned by TapScanner

व्याकरण

भाषा का रूप सदैव स्थिर नहीं रहता। व्यक्ति और स्थान भेद के कारण इसमें अंतर आ जाता है। ऐसी परिस्थिति में व्याकरण के द्वारा ही भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

जैसे–

1. मैं एक फूल की माला लाया। – वाक्य अशुद्ध है।
   मैं फूलों की एक माला लाया। – वाक्य शुद्ध है।
2. हम विद्यालय जाता है। – वाक्य अशुद्ध है।
   हम विद्यालय जाते हैं। – वाक्य शुद्ध है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भाषा को ठीक-ठीक बोलने और लिखने का प्रयोग व्याकरण के नियमों द्वारा ही किया जाता है। इसलिए व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है।

व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने और पढ़ने के नियमों का बोध होता है।

व्याकरण के अंग

व्याकरण के चार अंग होते हैं– 1. वर्ण-विचार 2. शब्द-विचार 3. वाक्य-विचार 4. पद-विचार

1. वर्ण-विचार– भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण या अक्षर कहते हैं। वर्ण-विचार के अंतर्गत वर्णों के प्रकार, उच्चारण आदि के बारे में विचार किया जाता है।
2. शब्द-विचार– वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं। शब्द-विचार के अंतर्गत शब्दों के भेद, उत्पत्ति, रचना आदि के बारे में विचार किया जाता है।
3. वाक्य-विचार– शब्दों को सही क्रम में लगाने से वाक्य बनते हैं। वाक्य-विचार के अंतर्गत वाक्यों के भेद, रचना, उत्पत्ति आदि के बारे में विचार किया जाता है।
4. पद-विचार– शब्दों को जब वाक्यों में प्रयुक्त किया जाता है तो उन्हें पद कहा जाता है। पद-विचार के अतंर्गत संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि के बारे में विचार किया जाता है।

नोट– ऊपर केवल संक्षिप्त जानकारी ही दी गई है। व्याकरण के सभी अंगों के बारे में विस्तृत जानकारी अगले अध्यायों में दी गई है।

Scanned by TapScanner

आओ दोहराएँ

- भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।
- भाषा मौखिक और लिखित दो प्रकार की होती है।
- भाषा के स्थानीय रूप को बोली कहते हैं।
- भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है।
- प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है।
- व्याकरण से भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

प्रश्न और अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों में से सही के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (✗) का निशान लगाइए–

(क) भाषा के द्वारा विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

(ख) मोबाइल फोन पर आपस में बातें करना भाषा का लिखित रूप है।

(ग) भोजपुरी बोली उत्तराखंड में बोली जाती है।

(घ) व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

(ङ) भाषा मुख्यत: दो प्रकार की होती हैं।

2. सही शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए–

मौखिक, वर्ण, शब्द, सांकेतिक, पद

(क) ..... भाषा द्वारा बोलकर विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

(ख) ..... भाषा को भाषा का रूप नहीं माना जाता।

(ग) वर्णों के सार्थक मेल से ..... बनते हैं।

(घ) वाक्य में प्रयुक्त शब्द को ..... कहा जाता है।

(ङ) भाषा की सबसे छोटी इकाई ..... होती है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरों के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर कोष्ठक में लिखिए–

(क) भाषा के स्थानीय रूप को क्या कहा जाता है?

(अ) लिपि (ब) बोली

(स) व्याकरण (द) वर्ण

सही उत्तर (.....)

Scanned by TapScanner

(ख) भारतीय संविधान में मान्यता प्राप्त भाषाओं की कुल संख्या कितनी है?

(अ) बीस (ब) इक्कीस

(स) बाईस (द) अठारह सही उत्तर (.....)

(ग) भाषा को लिखने के चिह्नों को क्या कहा जाता है?

(अ) लिपि (ब) व्याकरण

(स) वर्ण (द) पद सही उत्तर (.....)

(घ) निम्नलिखित में से किसे सांकेतिक भाषा का रूप माना जा सकता है?

(अ) फोन पर बातें करना

(ब) अखबार को पढ़ना

(स) मुँह पर अंगुली रखकर चुप करना

(द) पत्र लिखना सही उत्तर (.....)

4. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए–

(क) हिंदी .....

(ख) अंग्रेजी .....

(ग) उर्दू .....

(घ) संस्कृत .....

(ङ) कश्मीरी .....

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भाषा किसे कहते हैं? इसके कितने प्रकार होते हैं उनके नाम लिखिए।

.....

.....

(ख) लिपि किसे कहते हैं?

.....

.....

(ग) व्याकरण किसे कहते हैं?

.....

.....

(घ) व्याकरण के कितने अंग होते हैं? उनके नाम लिखिए।

.....

.....

Scanned by TapScanner